कृष्ण भक्ति के रस से सराबोर हुआ रिद्धिमा का मंच,एक साथ थिरके गुरु शिष्यों के कदम

बरेली (आज समाचार सेवा)। एसआरएमएस रिद्धिमा में शुक्रवार शाम कथक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसका आरंभ गणेश वंदना एक दंत प्रथम नमन पर गुरुओं एवं शिष्यों ने कथक नृत्य की मनोरम छटा बिखेरी। इसके साथ ही भगवान श्री कृष्ण को समर्पित कवित्त जिसमें भगवान कृष्ण की लीलाओं को छोटे शिष्यों ने कथक के द्वारा पेश कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में आगे रिद्धिमा परिवार से अभी हाल में जुड़े कथक गुरु देबज्योति ने भारतीय संगीत की प्रमुख ताल धामर ताल पर तबले और घुंघरुओं के बीच की जुगलबंदी प्रस्तुत कर दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। शिष्याओं ने अपने गुरु के सामने तीसरा जाती का तत्कार ठुमरी पर कथक नृत्य प्रस्तुत किया। आगे गुरु देबज्योति ने कथक के द्वारा दर्शकों को द्रौपदी चीरहरण का साक्षात्कार कराया। कृष्ण रस से सराबोर इस शाम के अंत में रिद्धिमा के कथक गुरु देबज्योति के साथ उनके शिष्यों ने तराना पेश किया। गुरु शिष्यों की बेहतरीन परफॉर्मेंस से पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीत का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसमें तबले पर दीपक सहाय, शिव शम्भू कपूर, सारंगी पर उमेश मिश्र व अनीश मिश्रा, हारमोनियम पर जनार्दन भारद्वाज, सितार पर कुंवरपाल वायलन पर सूर्यकान्त चौधरी, बांसुरी पर डा. पवन राज चौधरी और गिटार पर ऑगस्टीन फ्रेडरिक और संगीत में स्नेहाशीष दुबे और शिवांगी मिश्रा ने अपनी आवाज से मन्त्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, डा. प्रभाकर गुप्ता और शहर के सम्भ्रांत लोग मौजूद रहे।